भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3185
दिनांक 06 अगस्त, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र

3185: डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्री रतनसिंह मगनसिंह राठौड़:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री डी;एन.वी. सेंथिलकुमार एस. :
श्री कुलदीप राय शर्मा:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एन.सी.डी.सी.) की नई शाखाओं की स्थापना को मंजूरी दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस उद्देश्य के लिए कितना वित्तीय परिव्यय हुआ है;
(ख) देश में वर्तमान में कार्यरत एन.सी.डी.सी. शाखाओं की संख्या कितनी है और इन केंद्रों में कार्यरत कर्मचारियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र/श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने एन.सी.डी.सी. में विभिन्न विभागों के प्रमुखों की नियुक्ति के लिए कोई मानदंड निर्धारित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हे और पहली और दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में 'एनसी.डी.सी. द्वारा निभाई गई भूमिका का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या स्टाफ की कमी ने एन.सी.डी.सी. के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं; और
(ड.) सरकार द्वारा एन.सी.डी.सी. को मजबूत करने और इसकी प्रयोगशालाओ/भवनों और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रवीण पवार)

(क) से (ड.) : सरकार ने 548.48 करोड. रुपए के वित्तीय परिव्यय से देश में एनसीडीसी की शाखाओं के सुदृढ़ीकरण (मौजूदा 8 शाखाओं के सुदृढ़ीकरण सहित) एवं 30 शाखाओं को स्थापित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) दिल्ली में स्थित है तथा वर्तमान में इसकी निम्नानुसार 8 शाखाएं हैं:

1. अलवर (राजस्थान)
2. बैंगलुरू (कर्नाटक)
3. कुन्नूर (तमिलनाडु)
4. जगदलपुर (छत्तीसगढ़)
5. कोझिकोड (केरल)
6. पटना (बिहार)
7. राजामुन्द्री (आंध्र प्रदेश)
8. वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

इन केन्द्रों में कार्य कर रहे कर्मचारियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	शाखा	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल
1.	अलवर	राजस्थान	14
2.	बैंगलुरू	कर्नाटक	6
3.	कुन्नुर	तमिलनाडु	8
4.	जगदलपुर	छत्तीसगढ़	3
5.	कालीकट (कोझिकोड)	केरल	13
6.	पटना	बिहार	4
7.	राजमुंद्री	आंध्र प्रदेश	15
8.	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	13

निदेशक, एनसीडीसी केन्द्र का प्रमुख है। प्रभागों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए एनसीडीसी के प्रत्येक प्रभाग के प्रमुखों को निदेशक एनसीडीसी द्वारा नामजद किया जाता है। संबंधित प्रभाग के वरिष्ठतम समूह 'क' अधिकारी को विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य करने की ड्यूटी सौंपी जाती है।

एनसीडीसी ने शुरूआत से ही रोग निगरानी फील्ड स्तर पर समुदाय निगरानी की मॉनिटरिंग तथा कोविड-19 प्रबंधन के लिए क्वारेंटाइन संबंधी कार्यों में एक अहम भूमिका का निर्वहन किया है। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के माध्यम से एनसीडीसी ने कोविड प्रभावित देशों के संपर्क/यात्रा करने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी, क्वारेंटाइन तथा सम्पर्कों की समुदाय निगरानी में सहायता की थी।

छिपे हुए संचरण का पता लगाने के लिए, गैर-प्रभावित इलाकों में फिल्ड टीमों द्वारा घर-घर सक्रिय तलाशियों द्वारा आईएलआई तथा एसएआरआई निगरानी मामलों का पता लगाया गया था।

एन.सी.डी.सी. सुपरस्पीडर कार्यक्रमों में महामारी विज्ञानीय जांच के माध्यम से राज्यों की सहायता भी करता है।

एनसीडीसी ने सम्पर्कों का पता लगाने, घर तथा स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में क्वारेंटाइन करने, कंटेनमेंट जोनों में निगरानी रखने, घर-घर मामलों की खोज करने, भू सीमा क्रॉसिंग, जिला नियंत्रण कक्ष प्रशिक्षण, शव प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों तथा क्वारेंटाइन केन्द्रों को संक्रमण मुक्त करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में भी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया था। इसके अलावा संस्थान ने न्यू कोबास-6800, ऑटोमेटेड आरएनए एक्सट्रेक्टर्स तथा जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए नेक्स्ट जेनरेशन सिक्वेंसर के माध्यम से कोविड-19 के लिए प्रयोगशाला परीक्षण क्षमता में भी सहायता की थी ।

संक्रमण विलोपन का आकलन करने के लिए सीरो सर्विलांस के अलावा जब भी कभी अपेक्षित हुआ समूचे देश में क्लस्टर कंटेंनमेंट के लिए केन्द्रीय टीमों को विभिन्न राज्यों में तैनात किया गया । एनसीडीसी सार्स- कोव-2 के नए उभरते हुए वेरिएंट के मद्देनजर कोविड-19 स्ट्रेन्स की मॉनिटरिंग सहित र्सास-कोव-2 की जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए एक नोडल एजेंसी भी है।

*****